पंजाब केसरी 25/08/2023

जी.एम.एन. कालेज में इस साल से शुरू होगा बी.सी.ए. आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस कोर्स

60 विद्यार्थी इस एकेडमिक सैशन में उठा सकेंगे इस कोर्स का फायदा

अम्बाला, 24 अगस्त (कोचर): आज समाज तेजी से विकास कर रहा है और समाज की जरूरतें भी तेजी से बदल रही हैं। इन बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के मद्देनजर, पाठ्यक्रम को विकसित और अद्यतन करने की तत्काल आवश्यकता है जो बाजार और समाज द्वारा बनाई गई मांगों का भी मुकाबला कर सके।

इसी सबको देखते हुए जी.एम.एन. कालेज में बी.सी.ए. आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस कोर्स इसी सैमेस्टर से शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स पूरे हरियाणा में पहली बार इसी कालेज में शुरू किया जा रहा है जो कि इस कालेज के लिए काफ बड़ी उपलब्धि है।

इस बारे में कालेज के प्रिंसीपल डा. रोहित दत्त ने बताया कि हम प्रस्तावित पाठ्यक्रम में ऐसी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं जो समाज को उसकी भविष्य की जरूरतों को प्रभावी ढंग से और सकारात्मक रूप से पूरा करने में मदद करे।

इसी को देखते हुए हमने इस कोर्स को अपने कॉलेज में शुरू किया है। पूरे हरियाणा में यह कोर्स केवल हमारे कॉलेज में ही उपलब्ध है।

इस कोर्स को भारत की जानी-मानी कम्पनी नेटमैक्स मोहाली और स्कॉलर बैंगलुरु के साथ मिलकर चलाया जाएगा और इसमें 60 विद्यार्थी पहले शिक्षा स्तर में हिस्सा ले सकेंगे। यह कोर्स 6 सैमेस्टर का होगा। बीसीए आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस पूरा करने के बाद वैश्विक स्तर पर बड़ी संख्या में नौकरी की संभावनाएं उपलब्ध हैं। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस के बाद वे अपनी आगे की उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश ले सकते हैं।

कोर्स के बाद अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने का मौका

प्राचार्य ने बताया कि बीसीए आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस करने के बाद छात्रों के लिए विभिन्न उद्योगों, अनुसंधान और शिक्षण आदि में बहुत संभावनाएं हैं।

मशीन गेम, स्पीच रिकग्निशन मशीन, लैंग्वेज डिटेक्शन, कम्प्यूटर विजन, विशेषज्ञ सिस्टम और रोबोटिक्स विकसित करने की गुंजाइश है।

छात्र डेटा वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, डेटा इंजीनियर या डेटा डिवैल्पर के रूप में काम कर सकते हैं, छात्र डेटा वैज्ञानिकों की एक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं।

नए पाठ्यक्रम को सुविधाजनक रूप से शुरू करने के लिए हमारे पास अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास रूम और अन्य बुनियादी ढांचे हैं।

डा. सुरजीत सिंह सहायक प्रोफैसर डिपार्टमैंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस एक तकनीकी क्षेत्र है, जिसमें मशीनों को मानव बुद्धि की तरह काम करने की क्षमता प्रदान की जाती है।

मशीनों को सीखने और समझने की क्षमता होती है, जिससे वे डेटा को विश्लेषण कर सकते हैं और निर्णय ले सकते हैं।

कैंट स्थित जी.एम.एन. कालेज।